खेल क्षेत्र में रतलाम बना रहा है विशिष्ट पहचानः डॉ. यादव

■ प्रदेश में पहली बार खेल बजट में हुआ 586 करोड़ का प्रावधान

■ खेल अब पाठ्यक्रम का भी हिस्सा

■ रतलाम मेडिकल कॉलेज में स्थापित होगी कार्डियक ब्रांच

भोपाल (काप्र)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आजादी के बाद पहली बार हमने प्रदेश में खेलों के लिए 586 करोड़ रूपये के बड़े बजट का प्रावधान किया है। मध्यप्रदेश एकमात्र ऐसा राज्य है, जहाँ हॉकी के लिए सर्वाधिक एस्ट्रोटर्फ होंगे। खेलों को अब पाठ्यक्रम का भी हिस्सा बनाया गया है। खेल शिक्षक भी असिस्टेंट प्रोफेसर, प्रोफेसर और कुलगुरु बन सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को रतलाम में चैतन्य काश्यप फाउंडेशन द्वारा आयोजित किये जा रहे खेल चेतना मेले के रजत जयंती समारोह का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने ध्वजारोहण कर खेल चेतना मेले के शुभारंभ की घोषणा की। कार्यक्रम में सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री चैतन्य काश्यप, सांसद सुधीर गुप्ता, सांसद श्रीमती अनीता नागर सिंह चौहान, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती लालाबाई शंभू लाल चंद्रवंशी, विधायक चिंतामणि मालवीय, विधायक मथुरा लाल डामोर, महापौर प्रहलाद पटेल, प्रदीप उपाध्याय, नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती मनीषा शर्मा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने रतलाम में हॉकी के लिए एस्ट्रो टर्फ निर्माण, व्यवसाय को गति देने के लिए साड़ी क्लस्टर निर्माण की घोषणा की। उन्होंने कहा कि साड़ी क्लस्टर में महेश्वर, चंदेरी की तर्ज पर शहर में महिलाओं को साड़ी निर्माण से जोड़ा जाये। रतलाम के शासकीय लक्ष्मी नारायण पांडे मेडिकल कॉलेज में सभी प्रकार के हृदय संबंधी उपचार एवं ऑपरेशंस के लिए कार्डियक ब्रांच स्थापित करने की भी घोषणा की। रतलाम में खेलों के लिए अधोसंरचना विकास एवं बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शासन द्वारा रतलाम में 15 करोड़ रुपए की लागत से एकीकृत स्पोर्ट्स कांपलेक्स का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें जूडो, कराटे, बैडमिंटन, कुश्ती, कबड्डी इत्यादि इनडोर खेल गतिविधियां आयोजित की जा सकेंगी। साथ 400 मीटर दौड़ के लिए सिंथेटिक ट्रैक भी बन रहा है। साथ ही 1200 लोगों की क्षमता के पवेलियन तथा जिम का निर्माण भी किया जा रहा है। जिले के आलोट में खेलों के लिए भूमि आवंटित कर दी गई है। पिपलोदा-रावटी में भी भूमि आवंटित की जा रही है।

डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश, देश का ऐसा पहला राज्य होगा जहां हॉकी के लिए सर्वाधिक 12 एस्ट्रो टर्फ की सुविधा होगी। रतलाम में खेल गतिविधियों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सेव, सोना और साड़ी के लिए प्रसिद्ध रतलाम अब खेलों में भी अपनी विशेष पहचान स्थापित कर रहा है। इसमें चैतन्य काश्यप फाउंडेशन द्वारा विगत 25 वर्षों से आयोजित किया जा रहे खेल चेतना मेले का विशेष योगदान है। इस आयोजन से रतलाम की खेल प्रतिभाएं देश, प्रदेश में अपना नाम रोशन कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में खेलों के विकास के लिए समग्र प्रयास किए जा रहे हैं। भोपाल में हुये खेलो इंडिया आयोजन में प्रदेश ने अपनी विशेष छाप छोड़ी है। मुख्यमंत्री ने रतलाम में चैतन्य काश्यप फाउंडेशन द्वारा लगातार 25 वर्षों से आयोजित किए जा रहे खेल चेतना मेला आयोजन की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 10 हजार खिलाड़ियों की सहभागिता और खिलाड़ियों के सम्मान के साथ खेल चेतना मेले ने अपना विशिष्ट स्थान बनाया है। मुख्यमंत्री ने श्री काश्यप की भी सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुराने समय से ही व्यापार, व्यवसाय के लिए प्रसिद्ध रतलाम अब खेलों में भी अपनी अलग पहचान बना रहा है।

डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश में खेलों को प्रोत्साहित कर खेल गतिविधियों का विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब हमारे खिलाड़ी ओलंपिक से पदक जीत कर आते हैं। प्रदेश में नदी जोड़ो की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेई से प्रेरणा लेकर मध्यप्रदेश ने अग्रणी पहल की है। नदी जोड़ो की 2 बड़ी परियोजनाओं को हाथ में लिया गया है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा पार्वती-चंबल-कालीसिंध नदी परियोजना का जयपुर में भूमि-पूजन किया गया है जिसका लाभ प्रदेश के अन्य जिलों के साथ रतलाम जिले को भी मिलेगा। पेयजल, सिंचाई उद्योगों के लिए प्रचुर मात्रा में पानी की उपलब्धता सुलभ होगी। प्रदेश सरकार सिंचाई उद्योगों आदि क्षेत्रों में बेहतरी के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश के बजट को सवा तीन लाख करोड़ से दोगुना कर आगामी 5 वर्षों में 7 लाख करोड़ रूपये तक ले जाने का लक्ष्य है।

श्री काश्यप ने कहा कि यह अत्यंत गौरव की बात है कि फाउंडेशन द्वारा इस वर्ष 25 वें खेल चेतना मेले का आयोजन किया जा रहा है। खेलों को दूरस्थ ग्रामों तक ले जाने तथा खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित खेल चेतना मेले में अब क्रीड़ा भारती भी सहभागिता कर रही है। सबके सहयोग से इस आयोजन को ऊंचाइयां मिली है। श्री काश्यप ने कहा कि डॉ. यादव के नेतृत्व में जिस प्रकार प्रदेश को औद्योगिक क्षेत्र में ऊंचाइयां मिल रही है, उसी तरह खेलों में भी ऊंचाइयों के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में खेलों के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वाली खेल प्रतिभाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. यादव ने महापौर प्रहलाद पटेल की पहल पर नगर निगम द्वारा स्वच्छता के संदेश पर निर्मित वीडियो गीत लाँच किया। खिलाड़ियों द्वारा आकर्षक मार्च पास्ट किया गया। मुख्यमंत्री का शनिवार को रतलाम के नागरिकों द्वारा भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया। बंजली हेलीपैड से लेकर पोलो ग्राउंड नेहरू स्टेडियम तक रोड-शो में सड़क के दोनों और मंच से नागरिकों द्वारा मुख्यमंत्री पर पुष्प-वर्षा की गई। मुख्यमंत्री द्वारा नागरिकों का अभिवादन किया गया।

ड्रोन केंद्रित सूचना पोर्टल कल होगा लॉन्च

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में मध्य प्रदेश की नई ड्रोन नीति पर एक दिवसीय एक्सपर्ट पैनल वर्कशॉप 23 दिसम्बर को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर भोपाल में होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा ड्रोन केंद्रित सूचना पोर्टल भी लॉन्च किया जाएगा। इस दौरान प्रशासन और नागरिक सेवाओं के लिए ड्रोन तकनीक के बढ़ते उपयोग और राज्य को देश का ड्रोन हब बनाने पर विचार विमर्श होगा। इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन कार्यशाला को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लोक कल्याणकारी सेवाओं, नवाचार, उत्कृष्टता और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए ड्रोन टेक्नालॉजी का उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ड्रोन सेक्टर के मिशन से प्रेरित होकर हमने ड्रोन क्षेत्र के लिए आगे बढ़ने का संकल्प लिया है। मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम लिमिटेड और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला में सर्वे ऑफ इंडिया (एसओआई), डीजीसीए (नागरिक उड्डयन महानिदेशालय), केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उड़ान अकादमी, नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधिकारी, आईआईटी इंदौर, पुलिस, स्टार्टअप, ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया, नाबार्ड और मध्य प्रदेश सरकार के सभी विभागों के प्रमुख सहित ड्रोन इंडस्ट्री के प्रमुख आइडियाफोर्ज, एसटेरिया एयरोस्पेस, ड्रोन फेडेरेशन आदि के प्रमुख उपस्थित रहेंगे।

भोपाल के बाहर भी है पूर्व सिपाही सौरभ के कालेधन का कारोबार

सोना और नकदी इसी की होने का शक गहराया

भोपाल(काप्र)।

परिवहन विभाग के पूर्व सिपाही सौरभ शर्मा पर लोकायुक्त और आयकर विभाग की कार्रवाई तीसरे दिन भी जारी है। कार्रवाई के दौरान करोड़ों की संपत्ति का खुलासा हुआ है। वहीं, कई नई चीजें भी निकल कर सामने आ रही हैं।

सौरभ शर्मा का कालेधन का कारोबार भोपाल ही नहीं मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में फैला है। उसमें कई बड़े रसूखदारों के हिस्सेदारी की बात भी सामने आ रही है। हालांकि, लोकायुक्त पुलिस अभी उन नामों का खुलासा नहीं कर रही है, जांच जैसे जैसे आगे बढ़ेगी वैसे वैसे यह नाम सामने आएंगे। शर्मा के घर मिले बेनामी संपत्तियों के दस्तावेजों के आधार पर उनके मालिकों से भी पूछताछ कर असल मालिक का पता लगाया जाएगा। लोकायुक्त की छापेमारी में सौरभ शर्मा ललितपुर-राजगढ़ बांध परियोजना में मत्स्य पालन का काम कर रहा है। लोकायुक्त पुलिस ने अब इस काम के लिए पैसा कितना लगाया और वह कहां से आया, इसकी जांच शुरू कर दी है। साथ ही शाहपुरा बी सेक्टर में 20 हजार वर्ग मीटर जमीन पर जयपुरिया नाम से बन रहे स्कूल की जमीन एक समिति के नाम पर है। इसमें उसके साथ काम करने वाले चेतन सिंह गौर, शरद जायसवाल जैसे लोग भी सदस्य हैं। 2002 में बनी इस समिति की जानकारी भी खंगाली जा रही है।

सौरभ के अरेरा कॉलोनी स्थित घर पर उसके 11 और 8 साल के दो बेटे अपनी दादी के साथ हैं। सौरभ की मां का कहना है कि बेटा उसकी पत्नी के साथ मुंबई गया है। उन्होंने बताया कि सौरभ स्कूल के फ्रेंचाइजी लेने गया है, जबकि यह भी जानकारी मिली है कि सौरभ दुबई में है। वहीं, लोकायुक्त के अधिकारियों का कहना है कि उसके दोनों मोबाइल बंद है। अब सर्चिंग के बाद सौरभ के बारे में भी पता किया जाएगा कि वह कहां है?

लोकायुक्त की पूछताछ में उसके साथी चेतन सिंह गौर ने बड़ा खुलासा किया है। सूत्रों के अनुसार चेतन सिंह गौर ने पूछताछ में कबूल किया है कि गाड़ी उसके नाम पर है, लेकिन उसका उपयोग सौरभ करता था। अब लोकायुक्त सौरभ शर्मा के घर मिले प्रॉपर्टी के दस्तावेजों के आधार पर उसके परिजनों, कर्मचारियों और अन्य लोगों को भी बेनामी संपत्ति मामले में आरोपी बनाने की तैयारी कर रही है। लोकायुक्त अब संबंधित लोगों को उनकी आय के स्त्रोत को लेकर पूछताछ करेगी। इसके लिए उन्हें नोटिस जारी किया जाएगा।

अक्षय पात्र फाउंडेशन का समर्पण और सेवाभाव अनुकरणीय : शुक्ल

भोपाल (काप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा स्वच्छ और पौष्टिक भोजन विद्यार्थियों तक पहुँचाने का पुनीत कार्य किया जा रहा है। यहाँ जिस साफ-सफाई से और पोषक तत्वों की आवश्यकता को ध्यान में रखकर भोजन बनाने का कार्य किया जा रहा है, वह अनुकरणीय है। उन्होंने संस्था में कार्यरत समस्त कर्मचारियों के समर्पण और सेवा-भाव की सराहना की।

उप मुख्यमंत्री ने भोपाल में अक्षय पात्र फाउंडेशन की केंद्रीयकृत रसोई का अवलोकन किया। श्री शुक्ल ने कहा कि अक्षय पात्र फाउंडेशन का यह प्रयास न केवल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। उन्होंने संस्था के समर्पित कर्मचारियों और प्रबंधन टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में यह संस्था और अधिक बच्चों तक अपनी सेवाएं पहुंचाएगी और अन्य संस्थानों को भी प्रेरित करेगी। श्री शुक्ल ने संस्था की स्वचालित प्रक्रिया, सुव्यवस्थित संचालन और योजनाबद्ध कार्यप्रणाली की सराहना की। उन्होंने कहा कि अक्षय पात्र फाउंडेशन न केवल बच्चों को स्वच्छ और पौष्टिक भोजन उपलब्ध करा रहा है, बल्कि यह कार्य अत्यंत प्रभावशाली और अनुकरणीय तरीके से किया जा रहा है। संस्था का सुव्यवस्थित संचालन इसके योजनाबद्ध दृष्टिकोण को दर्शाता है। भोजन वितरण के लिए विशेष वाहनों का उपयोग, समय प्रबंधन का सख्त पालन, पोषण गुणवत्ता की नियमित जाँच और प्रबंधन टीम के बीच उत्कृष्ट समन्वय इसे और अधिक प्रभावी बनाते हैं। उप मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय स्तर पर अक्षय पात्र फाउंडेशन के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह मॉडल शासकीय और निजी क्षेत्र के बीच मजबूत साझेदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह संस्था पूरे भारत में 16 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों में 23 हज़ार से अधिक विद्यालयों में लगभग 22 लाख 50 हजार बच्चों को पौष्टिक भोजन प्रदान कर रही है। उल्लेखनीय है कि अक्षय पात्र फाउंडेशन के राजधानी स्थित किचन से मध्यान्ह भोजन के तहत 645 विद्यालयों के लगभग 35 हज़ार बच्चों को भोजन प्रदाय किया जा रहा है।

छिंदवाड़ा जल महोत्सव में...

साहसिक गतिविधियों और सांस्कृतिक रंगों का अनोखा संगम

भोपाल (काप्र)। छिंदवाड़ा जिले के माचागोरा जल क्षेत्र में 20 दिसम्बर से छिंदवाड़ा जल महोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ, जो 25 दिसंबर तक चलेगा। इस आयोजन से स्थानीय लोगों के साथ पर्यटकों को भी रोमांच और मनोरंजन का अद्भुत अनुभव प्राप्त हो रहा है।

जल महोत्सव में मोटर बोटिंग, पैरासेलिंग, जेट्स्की, वॉटर ज़ॉर्बिंग, जिपलाइन, वॉल क्लाइम्बिंग और अन्य रोमांचक जल गतिविधियां सभी के बीच खासा आकर्षण बनीं। शुभारंभ अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने भी इन गतिविधियों में हिस्सा लिया, जिससे महोत्सव का माहौल और भी जीवंत हो गया। ज्वार, बाजरा, मक्के की रोटी...चने की भाजी, महुए की रबड़ी, बरबटी के बड़े, कोदो और समा की खीर, टमाटर की चटनी...यह सब पारंपरिक व्यंजन जल महोत्सव में पर्यटकों को परोसे जा रहे हैं। गांवों में बने अचार, पापड़, बड़ी सहित अन्य घरेलू सामग्री भी जल महोत्सव में आने वाले पर्यटकों को खरीद के लिए उपलब्ध हैं। यहां पर्यटकों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। यहां नाइट स्टे टेंट में गद्दे, तकिया और कंबल के अलावा पर्यटकों की पसंद का सादा व ग्रामीण परिवेश का भोजन परोसा जा रहा है। पर्यटक यहां पातालकोट की रसोई का स्वाद भी ले रहे हैं। श्रीअन्न (मिलेट्स) पर आधारित जनजातीय पारम्परिक भोजन के स्टॉल भी यहां लगाए गये हैं, जिसमें पर्यटक देशी भोजन का स्वाद ले रहे हैं। अमरवाड़ा विधायक कमलेश शाह ने जल महोत्सव का शुभारंभ कर इसे एक अद्भुत नवाचार बताया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त करते हैं। कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने इसे केवल एक आयोजन नहीं, वरन् स्थानीय रोजगार और आर्थिक समृद्धि का जरिया बताया। मप्र टूरिज्म डेवलपमेन्ट बोर्ड भोपाल के संयुक्त संचालक एसके श्रीवास्तव ने इसे प्रदेश का दूसरा बड़ा जल महोत्सव बताते हुए पर्यटन विकास के संदर्भ में इसके महत्व को विस्तार से रेखांकित किया। यह महोत्सव छिंदवाड़ा को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन मानचित्र पर उभारने का सशक्त माध्यम बन रहा है। माचागोरा जल क्षेत्र में हर दिन शाम 7 से 8 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रम और लोक नृत्य आयोजित किए जा रहे हैं।

बरकतउल्ला विवि में विश्व ध्यान दिवस आयोजित

भोपाल (काप्र)। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा शनिवार को विश्व ध्यान दिवस के रूप में घोषित किया गया है। आज प्रातः 8 बजे कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार जैन की अध्यक्षता और विभागाध्यक्ष डॉ. साधना दौनेरिया की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन के साथ ध्यान दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में कुलगुरु ने अपने प्रेरक उद्बोधन में ध्यान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने ध्यान के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक लाभों से अवगत कराते हुए बताया कि स्वास्थ्य और तनावमुक्त जीवन के लिए ध्यान एक अचूक अभ्यास है। योग विभाग की अध्यक्ष डॉ. साधना दौनेरिया द्वारा प्रतिभागियों को निर्देशित करते हुए ध्यान का प्रायोगिक सत्र संपन्न किया गया। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में ध्यान की कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें ध्यान की सरल और प्रभावी प्रक्रियाएं, ध्यान के समय बैठने की स्थिति, सांसों पर ध्यान एवं ध्यान मुद्रा बताई गई। ध्यान केवल साधना नहीं बल्कि जीवन जीने की कला है। ध्यान वह अवस्था है जिसमें चित्त को जिस ध्येय वस्तु पर लगाया जाए उसमें चित्त का एकाग्र हो जाना। यह एकाग्रता हमारे नित्य कार्यों में तो लाभप्रद है ही बल्कि यह आध्यात्मिक मार्ग में समाधि की ओर उन्मुख करती है। यह कार्यक्रम योग एवं ध्यान के महत्व को प्रचारित करने का हिस्सा था। कार्यक्रम में विभाग के शिक्षक डॉ रेखा अग्रवाल, डॉ माधनी चन्द्रा, डॉ मनीषा, रूचि शुक्ला, रिसर्च स्कालर एवं विद्यार्थियों सहित लगभग 150 प्रतिभागी उपस्थित हुए। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन एवं स्वल्पाहार के साथ सम्पन्न हुआ।

स्पेशल खबर *प्रधानमंत्री 25 को बुंदेलखंड के भाग्योदय की आधारशिला रखेंगे...*

बुंदेलखंड के विकास में मील का पत्थर साबित होगी नदी जोड़ो परियोजना

भोपाल (काप्र)।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की 100 वीं जन्म शताब्दी पर 25 दि.संबर को देश के विकास के भागीरथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 44,605 करोड़ की केन-बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास कर बुंदेलखंड के भाग्योदय की आधारशिला रखेंगे।

इस परियोजना से बुन्देलखण्ड की साढ़े दस लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होगी, जिससे क्षेत्र के खेत लहलहायेंगे, पलायन रूकेगा, रोजगार के अवसर खुलेंगे और औद्योगीकरण तेजी से होगा। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का सपना था कि देश के हर गांव तक पानी पहुंचे, उस सपने को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी साकार कर रहे हैं, यही उनको सच्ची श्रद्धांजलि है। श्री शर्मा ने कहा कि दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता श्री मोदी का 25 दिसंबर को बुंदेलखंड की जनता ऐतिहासिक स्वागत करेगी। क्षेत्र के सभी निकाय व जनप्रतिनिधि आभार जता रहे हैं, कलश यात्राएं निकालकर क्षेत्र की जनता को आमंत्रण दिया जा रहा है। देश की पहली एवं बहुप्रतीक्षित नदी जोड़ो परियोजना बुंदेलखंड के विकास में मील का पत्थर बनेगी और आने वाली पीढ़ियों के लिए वरदान साबित होगी। इस परियोजना से बुंदेलखंड हरा-भरा होगा, पलायन रूकेगा, रोजगार के अवसर खुलेंगे और तेजी से औद्योगीकरण होगा। इससे मध्यप्रदेश 10 एवं उत्तरप्रदेश के 4 जिलों सहित समूचे बुंदेलखंड क्षेत्र में साढ़े दस लाख हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित होगा और 62 लाख से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी उपलब्ध होगा।

मध्यप्रदेश के छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी, पन्ना, दमोह, विदिशा, सागर, शिवपुरी, दतिया और रायसेन जिले की जनता को इस परियोजना का लाभ मिलेगा। वहीं उत्तरप्रदेश के महोबा, बांदा, झांसी और ललितपुर जिले की जनता लाभान्वित होगी। श्री शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वयं यहां आकर बुंदेलखंड की जनता को कार्यक्रम में आने के लिए न्यौता दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बुंदेलखंड का नाम वैश्विक स्तर पर बढ़ा है। एयर कनेक्टिविटी, सड़क मार्ग, रेल मार्ग, शिक्षा व पर्यटन के के क्षेत्र में खजुराहो ने नई पहचान बनाई है।

श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के माध्यम से हर गांव तक सड़कें बनाई गयी है वही नदी जोडों परियोजना के तहत हर घर तक पीने योग्य स्वच्छ जल पहुंचाया जा रहा है। देश की पहली नदी जोड़ो केन-बेतवा लिंक परियोजना बुंदेलखंड क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। लंबे समय तक बुंदेलखंड की पहचान सूखा और गरीबी रही हैं, लेकिन भाजपा की सरकार ने इस क्षेत्र में पानी उपलब्ध कराने के लिए कई कदम उठाए हैं। केन-बेतवा लिंक परियोजना से अब बुन्देलखण्ड क्षेत्र का भाग्य बदलेगा।